

Mantavya



INTRODUCTION

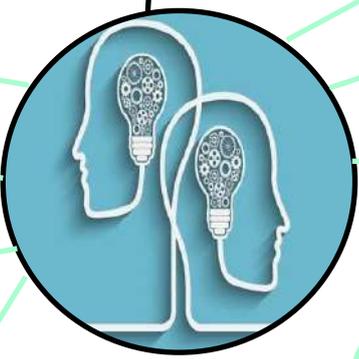
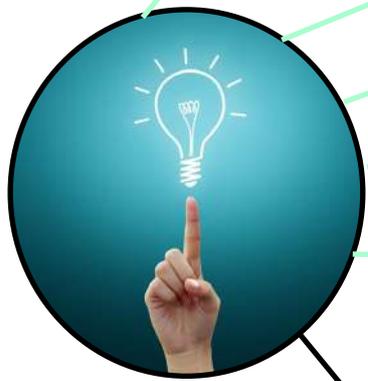
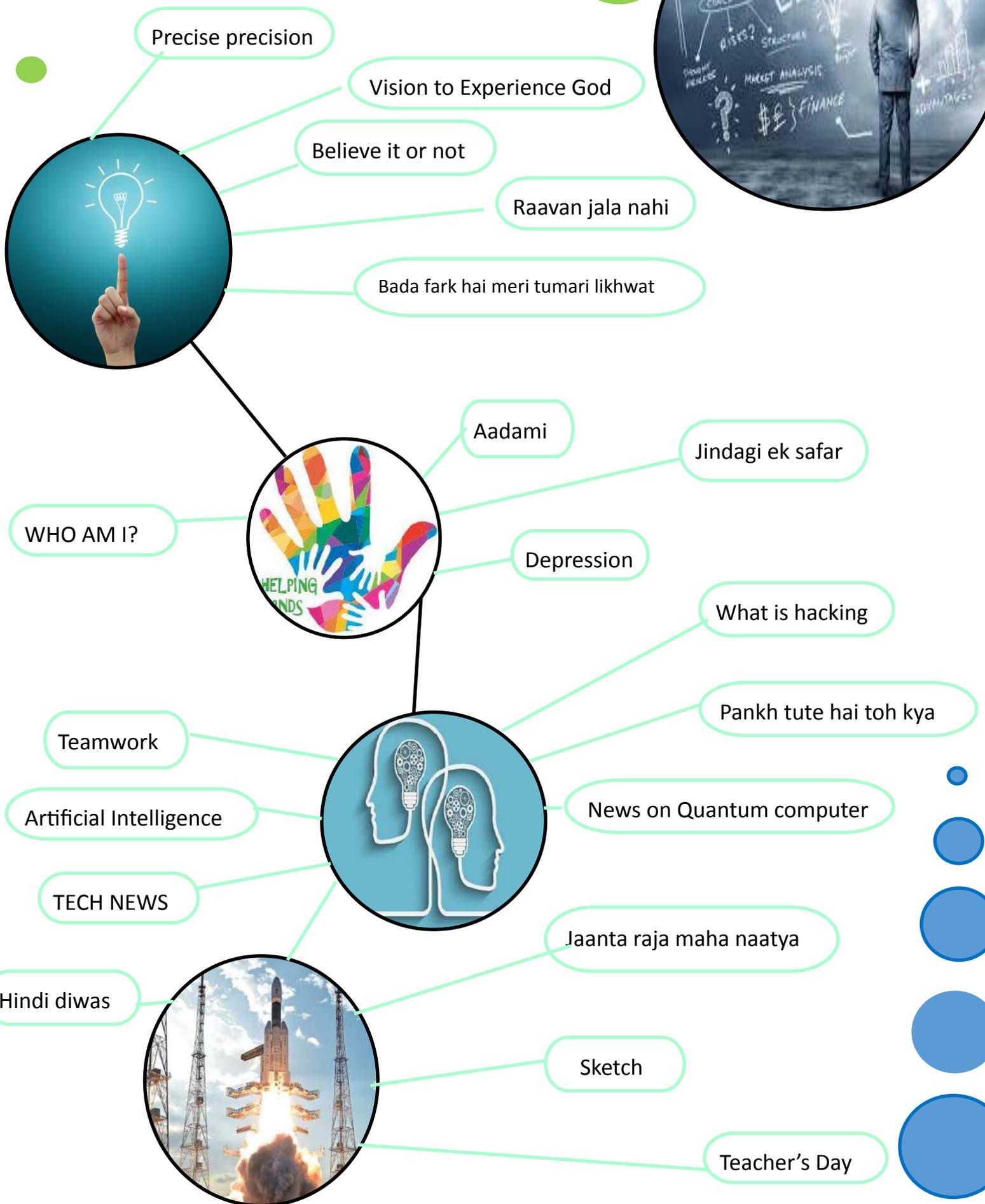
There is a famous Persian quote which says, “Raise your words, not your voice. It is the rain that grows flowers, not thunders”. This is one of the main reason for the emergence of “Mantavya”. The idea of publishing an E-magazine was first seen during Induction Program when 1st year students showed their interest toward this idea. The seniors tirelessly began their work over it and in the month of October 2018, it was officially announced. All the E-magazine members were divided into two groups Technical and Non-Technical who handled the digital information and the literary correction of contents respectively.

ACKNOWLEDGEMENT

Firstly, We would like to thank our director ma’am Prof. Rachana Asthana who valued our idea and supported us every moment during the framing of this project “Mantavya”. We would also like to thank all faculty members who gave us their best suggestions and support in bringing out this e– magazine.

We would also like to thank the students who have contributed their content towards this magazine. Special mention goes to Tushar Sharma (Literary Secretary) who has worked tirelessly, for the dream of Mantavya coming true. Among all these we want to thank the supreme lord who runs this material world. So, without wasting anytime go forward and enjoy the inaugural edition of Mantavya -2018.

CONTENTS





शुभकामना संदेश

मुझे यह जान कर अत्यंत प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है कि डा .अम्बेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फॉर हैंडिकैप्ड के छात्रों द्वारा ई -पत्रिका ' मंतव्य ' के प्रथम संस्करण का प्रकाशन होने जा रहा है ,एतदर्थ हार्दिक बधाई ।

मौलिक चिंतन एवं रचनात्मक लेखन छात्रों के व्यक्तित्व के सर्वांगीण विकास का मूल आधार है एवं पत्रिका छात्रों कि प्रतिभा एवं कौशल कि अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम होती है ,मुझे आशा है कि पत्रिका में शैक्षिक ,साहित्यिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का समावेश होगा ,जिससे छात्रों की बौद्धिक प्रतिभा में अभिवृद्धि होगी तथा सृजनात्मक लेखन क्षमता का विकास होगा।

मुझे यह आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि छात्र ई -पत्रिका के प्रकाशन में संस्थान कि गरिमा एवं ख्याति का ध्यान रखेंगे ,साथ ही साथ शिक्षा के समस्त आयामों का सफलता पूर्वक निर्वाहन करते रहेंगे। मैं इस ई-पत्रिका के सफल एवं सार्थक प्रकाशन हेतु अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूं।

Prof. Rachana Asthana

(Director)

Message

I feel great pleasure in handing the issue of our Institute's E-Magazine "MANTANA". Over the years this institute has achieved continuous success in serving the cause of technical education. The institute presents a happy blend of traditional and modern technical education, where knowledge is imparted with practical exposure to the students so that they may occupy a better place in the modern competitive world by retaining the beauty of mind, intellect as well as soul.



I can feel proud of this entire team of e-magazine who took responsibility of this important task. My best wishes to the entire team of "MANTANA" - the E-Magazine of A. I. T. H.

Dr. Rajesh Kumar Gupta
(Dean Student Welfare)

Message

संस्थान के लिए यह अत्यंत ही गौरव एवं उत्साह का विषय है कि छात्र क्रियाकलाप परिषद के साहित्यिक प्रकोष्ठ के द्वारा मासिक ई-पत्रिका मंतव्य के प्रकाशन हेतु योजनाबद्ध स्तर पर अपूर्व प्रयास किया जा रहा है। मासिक पत्रिका के सफल संपादन एवं प्रकाशन हेतु मेरी अत्यधिक शुभकामनाएं। साथ ही साथ छात्र समिति को बहुत बधाई, कि उनका अथक प्रयास स्वप्न से यथार्थ रूप में परिणित हो रहा है। मेरा विश्वास है कि युवा छात्र शक्ति संस्थान के यश व कीर्ति में नित नए आयाम स्थापित करने हेतु सदैव प्रयास शील रहेंगे। पुनः छात्र परिषद को हार्दिक शुभकामनाएं।



*Ashutosh Mishra
CEA Incharge*



अत्यंत ही हर्ष और गर्व से अभिभूत मैं संस्थान के छात्र-छात्राओं के अथक परिश्रम, दृढ़ निश्चय एवं विकासशील परिकल्पना के परिणाम स्वरूप दिनांक 14/11/2018 से अपने प्रथम अवतरण से प्रारम्भ होकर उत्तरोत्तर प्रगति के पथ पर अग्रसर होने वाली संस्थान कि ई-पत्रिका "मंतव्य" के सफलतापूर्वक प्रकाशित होने की शुभकामनायें ज्ञापित करता हूँ ।

मुझे आशा ही नहीं अपितु पूर्ण विश्वास है की यह मासिक पत्रिका आज के इस तकनीकी युग में स्वयं को सामयिक रखने के साथ ही मनोरंजन एवं साहित्यिक क्रियाओं से अवगत कराने में भी सक्षम होगी । निश्चित ही संस्थान के लिए यह एक गौरवपूर्ण अवसर है एवं छात्र परिषद बधाई कि पात्र है ।

पुनः अनेकोनेक शुभकामनायें एवं आशीर्वाद...

*Shri Gaurav Chandra
Dean PDF*

Message

मुझे यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता एवं गर्व की अनुभूति हो रही है कि अपने संस्थान डॉ. अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फ़ॉर हैंडीकैप्ड के साहित्यिक परिषद के अथक प्रयासों से प्रथम ई मैगज़ीन 'मन्तव्य' का प्रकाशन किया जा रहा है। डॉ अम्बेडकर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फ़ॉर हैंडीकैप्ड अपने छात्रों को उच्च गुणवत्तापूर्ण तकनीकी शिक्षा देने के साथ साथ छात्रों को उत्तम नागरिक बनाने में शतत प्रयासरत है।



मैं संस्थान की साहित्यिक परिषद एवं मंतव्य की प्रकाशन समिति के समस्त सदस्यों को बधाई देता हूँ एवं आवाहन करता हूँ कि पूर्ण ऊर्जा,विवेक एवं लगनशीलता के साथ 'मंतव्य' के प्रकाशन एवं देश के निर्माण में सहयोग करें। 'मन्तव्य' के प्रथम प्रकाशन के अवसर पर समस्त संस्थान परिवार को शुभकामनाएं एवं बधाई।

*Manish Singh Rajput
Associate Dean IRDC*



AIITK, Kanpur has been at the forefront of providing professional engineering education to the Divyangs along with other students in the country. Being the niche institute, our endeavour has always been to provide the best to the students and to prepare them to take up the challenges of tomorrow; so that when they come out of the institutions they become competent to handle the responsibilities of the engineering profession.

Once again the students of AIITK showed their creativity, imagination and dedication by publishing institute's first digital magazine "मन्तव्य". I'd like to congratulate spirit of the publication team of "मन्तव्य". I hope it will be a new mile stone on the successful journey of the institute and will communicate the message that AIITK is innovative and goes forward with the creativity of students.

All the best

*Om Hari
Associate Dean Academics*

Message

*Attaining knowledge is a fulfilling and empowering task for not just oneself but also the society. The knowledge brings solidarity to one's personality through which one can contribute immensely to the society if the intent is tight. On the other hand, imparting knowledge is more noble and respectful. As a knowledge provider or an educator, you are not only required to gain and upgrade your knowledge but also build a temperament which facilitates this knowledge sharing. We value individualism and try to inculcate creativity, innovation and confidence besides rigorous scholastic programmes, the college students have marked their names in all spheres such as social work, art craft, music, drama, dance, variety of sports, environmental conservation activities and list goes on. The goal of institute to give our institute the best possible opportunities in order to bestow them with holistic environment. Whether the students is an introvert or extrovert personality the aim to nurture the person into self motivated individual. Taking a step forward in same direction the literary council of Dr. **AMBEDKAR INSTITUTE OF TECHNOLOGY FOR HANDICAPPED** going to publish first edition of its E-Magazine entitled "MANTANA" as an expression of students and staff. Each issue of "MANTANA" E-Magazine is a milestone that marks our growth, unfolds our imagination and gives life to our thoughts and aspirations of creative skills ranging from writing for editing and even designing the E-Magazine . I congratulate the entire editorial team for their hardwork and dedication in making the dream come true . I pray to almighty that He will make the work of E- magazine memorable and inspiring.*



With best wishes to all!!!

*Shri Srinath Dwivedi
Literary Convenor*

A word from Literary Secretary



शिक्षा जगत में संस्थान की पत्रिका संस्थान की प्रगति ,भावी योजनाओं को प्रस्तुत करने का माध्यम होने के साथ विद्यार्थियों की लेखन शक्ति,विचारो,भावों और कल्पनाओं को अभिव्यक्त करने का सशक्त एवं प्रबल साधन है। प्रस्तुत पत्रिका "मंतव्य" e-पत्रिका के रूप में प्रथम प्रयास है । प्रस्तुत पत्रिका में अधिकतम स्थान छात्रों की रचनाओं को ही प्रदान किया गया है । तथा संस्था की विविध गतिविधियों , अनेको क्रियाकलाप का संछिप्त विवरण प्रस्तुत किया गया है प्रथम संस्करण होने के कारण आकृति में यद्यपि लघु है किंतु गुणवत्ता एवं संपादन के दृष्टि से यह पत्रिका डॉ. अंबेडकर इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी फ़ॉर हैंडीकैप्ड की गरिमा को अभिसिंचित करने वाली है । यह पत्रिका संस्थान के छात्रों के लिए , छात्रों के द्वारा प्राप्त सामग्री का प्रस्तुतिकरण है। "मंतव्य" के सफल संपादन एवं प्रकाशन हेतु सर्वप्रथम मैं जानदायिनी माँ वीणावादिनि के चरणों मे श्रद्धा भाव समर्पित करता हूँ जिनकी विशिष्ट अनुकंपा से हम सभी साहित्य-साधना में संलग्न हैं। संपादक मंडल आभारी हैं संस्थान की यशस्वी निदेशिका प्रो.रचना अस्थाना का जिनके मार्गदर्शन के प्रतिफल यह स्वप्न साकार हो पाया । साथ ही मुख्य कुलानुशासक डॉ राजेश कुमार गुप्ता , अध्यक्ष CECA आशुतोष मिश्र , संरक्षक साहित्यिक प्रकोष्ठ श्रीनाथ द्विवेदी का जिनके कुशल संरक्षण एवं सकारात्मक सहज सहयोग से हम e-पत्रिका को प्रकाशित कर रहे हैं। अंत मे मैं उन सभी के प्रति हृदय से आभारी हूँ जिन्होंने पत्रिका के संपादन-प्रकाशन में प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप से येन-केन प्रकारेण सक्रिय सहयोग प्रदान किया है , आशा है, आप सभी हमारी वृत्तियों को क्षमा करते हुए सहानुभूतिपूर्वक इस प्रथम प्रयास को सहर्ष स्वीकार कर एवं प्रोत्साहन प्रदान कर अनुग्रहित करेंगे ऐसी मेरी मंगलकामना है । सधन्यवाद

Tushar Sharma

Literary Secretary



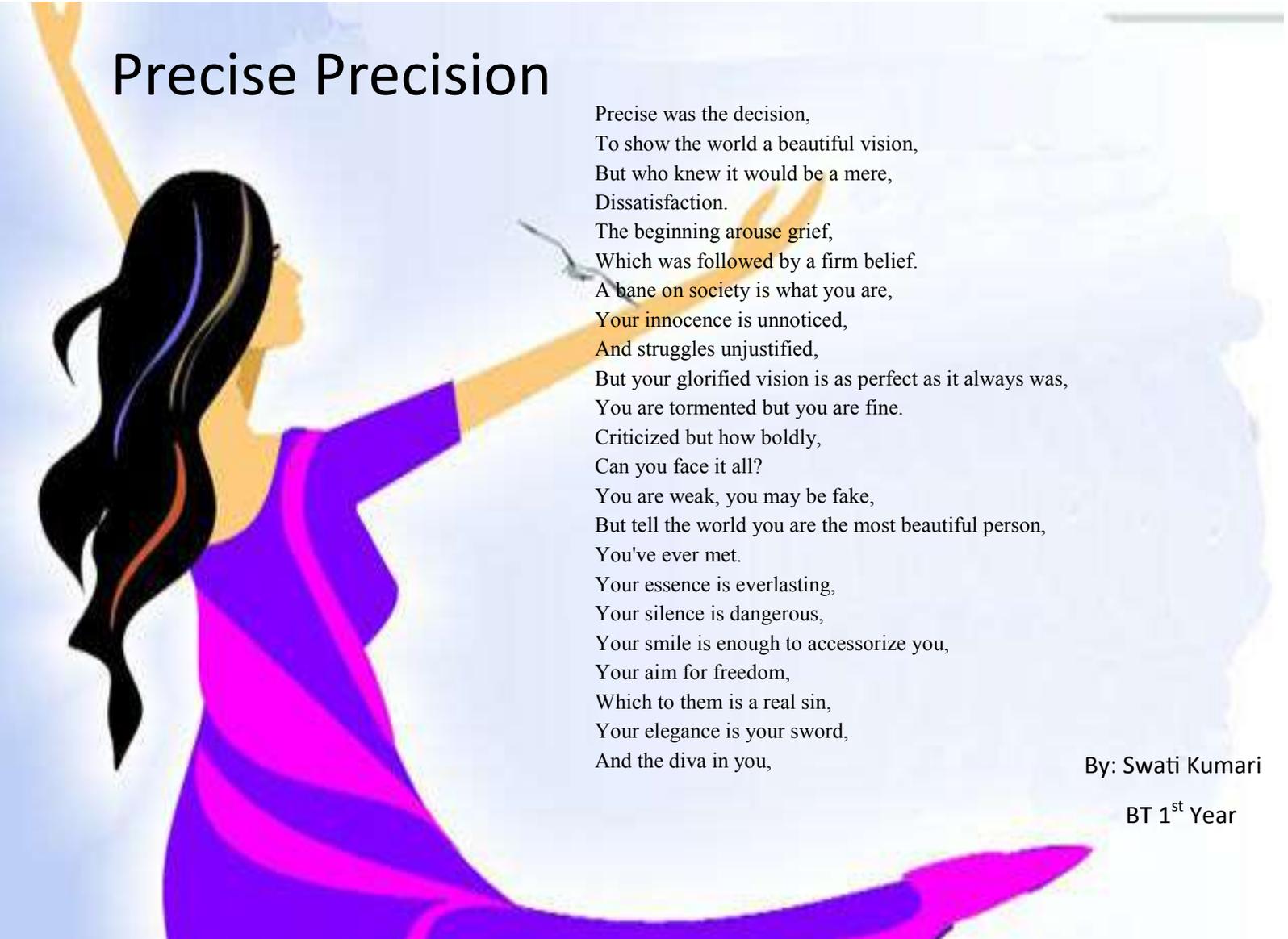
Engineers play the most vital and important role in nation building. They create new inventions using best engineered technologies to make human life more comfortable, secure and productive. In modern times, nations which have rich engineering and experienced management domains are flourishing economically and are providing better lives to their people. We have excellent potential to grow in diversified areas and excel in Engineering field. We

need enormous number of engineers and managers to write next story of success. At the outset I send my greetings to the Editorial Board of AITM 2018, for working on a Magazine best in all aspects. I believe this magazine will provide us the benchmark for continued improvement in overall development of the College. This magazine should be a good source of guidance for faculty and coming batches of students in choosing activities of their choice in their future for building their careers. I appreciate the efforts of the Editorial team who have done an excellent job in compiling AITM activities over the year and disseminate them through this Magazine as well as on the AITM website.

Ankit Awasthi

Literary Co-secretary

Precise Precision



Precise was the decision,
To show the world a beautiful vision,
But who knew it would be a mere,
Dissatisfaction.
The beginning arouse grief,
Which was followed by a firm belief.
A bane on society is what you are,
Your innocence is unnoticed,
And struggles unjustified,
But your glorified vision is as perfect as it always was,
You are tormented but you are fine.
Criticized but how boldly,
Can you face it all?
You are weak, you may be fake,
But tell the world you are the most beautiful person,
You've ever met.
Your essence is everlasting,
Your silence is dangerous,
Your smile is enough to accessorize you,
Your aim for freedom,
Which to them is a real sin,
Your elegance is your sword,
And the diva in you,

By: Swati Kumari

BT 1st Year

Vision to Experience God

Loud voice of, Arti in Temple, Namaz in masjid

Prayer in church

Is heard by people not by GOD.

GOD hears the silent voice

Which comes from core of heart.

GOD always has something for you,

A key for every problem,

A light for every shadow,

A relief for every sorrow and

A plan for every tomorrow.

When GOD takes away something from your hands,

Don't think he is punishing you,

He is just leaving you empty handed to receive.

By: Aishwarya Yadav

BT 1st Year

One of the basic differences between GOD and HUMAN is...!!

God gives, gives and forgives,

Human gets, gets and forgets.

Be Thankful In Life..

.....BELIEVE IT OR NOT.....

- ◆ The blue bird in the "Twitter Logo" has a name: LARRY. The creators of the social network named the bird after basketball player "LARRY BIRD".
- ◆ In order to burn just 1 calorie, you need to click a mouse button 10 million times.
- ◆ Charles Darwin was the first person who introduced the idea of attaching wheels to "office chair" to move around more quickly.
- ◆ The total weight of all the ants on earth is greater than total weight of all the humans.
- ◆ If the human brain were a computer, it could perform 38,000 trillion operations per second. The world's most powerful supercomputer "BLUEGENE" can manage only 0.002% of that.
- ◆ Dolphins have names for each other and can call out for each other specifically.
- ◆ Jupiter and Saturn have "DIAMOND RAIN".
- ◆ "I AM" is the shortest complete sentence in English language.
- ◆ "Guinness Book of World Records" holds the record for being the book most often stolen from public libraries.
- ◆ Blue-eyed people tend to have the highest tolerance of alcohol.

By: Priyanka Yadav
IT 1st Year

रावण जला नही



अब तक रावण बहुत
जलाये फिर भी रावण
जला नहीं,

जिसका पुतला जला रहे
हो अब वो उसमे रहा
नहीं,

"मनमर्जी जो भी कर
डालो" रामजी ने ऐसे
कहा नहीं,

जिसका कोई परिवार
नहीं और कोई सगा
नहीं,

सोचो, समझो और विचारो
अच्छा ये सिलसिला नहीं,

अब तक रावण बहुत जलाये
फिर भी रावण जला नहीं ।

अब तक रावण नहीं जला तो
अब जलने कि आस नहीं,

राम के बच्चों राम को जानो,
क्या राम तम्हारे पास नहीं,
राम रावण दोनों रहते झूठा
ये इतिहास नहीं,

पढ़कर देखो रामायण बैठकर हर मानस के
को रावण राम का दास अंदर अपनी सत्ता चल
नहीं, रहा है,

जब-जब राम जगत में सास-बहु को क्या कहूं
आये राम अकेला लड़ा मैं पिता-पुत्र को लड़ा
नहीं, रहा है, ऐसी दशा देख

अब तक रावण बहुत
जलाये फिर भी रावण
जला नहीं ।

तुम रावण को जला
रहे हो रावण तुमको
जला रहा है,



बिना गुरु के चरण
में आये हुआ किसी
का भला नहीं, अब
तक रावण बहुत
जलाये फिर भी
रावण जला नहीं ।

By: Shivji Verma
BT 1st Year

बड़ा फर्क है मेरी, तुम्हारी लिखावट में

बड़ा फर्क है मेरी,
तुम्हारी लिखावट में,
तुम सोचकर के लिखते होगे,
मैं महसूस करके लिखता हूँ ।
तुम हार्थों से लिखते होगे,
मैं टूटे दिल से लिखता हूँ ।
तुम शौकियन लिखते होगे,
मैं प्यार करके लिखता हूँ ।

तुम कलम थामकर लिखते होगे,
मैं जड़बात थामकर लिखता हूँ ।
तुम कभी-कभी बस लिखते होगे,
मैं रोज़ नया कुछ लिखता हूँ ।
तुम जीवनी के लिए लिखते होगे,
मैं जीवन के लिए लिखता हूँ ।
तुम झूठा वर्णन लिखते होगे,
मैं सच का दर्पण लिखता हूँ ।



तुम स्वप्न देखकर लिखते होगे,
मैं हर रात जागकर लिखता हूँ ।
तुम स्याही से लिखते होगे,
मैं खून बहाकर लिखता हूँ ।
तुम कागज़ पर लिखते होगे,
मैं इतिहास पृष्ठ पर लिखता हूँ ।

By: Ayush Kumar
CSE 1st Year

WHO AM I?

Okay many of you would say what a stupid question is this. Definitely the writer of this article is a mad person.

No, I'm completely fine and mentally stable, but in this article what I'm gonna discuss is that do we really know ourselves, do we really know who we are.

Okay, let me tell you something, it took me more than a couple of years to completely understand myself.

When we generally say " I am " we refer to a combined system of our body and brain, but we must be clearly distinguished between our physical and mental capabilities & characteristics.

From my point of you, I've observed so far is that to understand yourself, you have to look inside you.

" Look at your actions, what you do and why you do so "

" Look at your feelings, what you feel and why you feel so "

" Look at your thoughts, what you think and why you think so "

Only then you can get to know the real you.

Of course we all are here to become an Engineer but along with that we are here to discover some other fields of our interest.

What are the things or jobs you are good at, because at last only these things will give you a unique identity among the crowd?

Each one of us has a great hidden talent. What we just need to do, is just to explore it.

I know this process will take a bit time but believe me without truly knowing yourself your life is meaningless.

And once you've done this then, you must move towards the next step that is to accept yourself. Accept who you are.

In which fields you are good at and in which fields you have to work & improve yourself.

Remember,

Your identity cannot be defined by your job or education. What really matter is your personality.

Try to "Believe in Yourself"

Now, since we have learned to accept ourselves as we are I'm talking about how we can make necessary and effective changes in our personality so that we can become a good man.

Okay, since I've been a good observer from the beginning I've seen many peoples succeeding to accept themselves but further fail to make required changes in their attitude & behaviour. Usually our personality is made up of several factors comprising our upbringing, social involvement, peer pressure and influence of parental as well as external thoughts (like religious).

Now lets take an example, A person who knows that he's wrong but he's not ready to accept it and finally when he accepted it he wasn't ready to put things in the right way. Actually the main problem in such kind of situations is that even if the person wants to change his mind would resist it.

Now talking about the solution to this problem, In these cases the person wants a friend cum teacher to provide him right guidance. One who can support him and gradually alter his thoughts and turn them towards the right path. Many people find spirituality a good way for this. Yeah that's fine but again its not the only way to handle this.

Don't blame situations for your failure. Work smartly and achieve your goal. Thank you!

By: Ayush Kumar

CSE 1st Year

आदमी से आदमी डरने लगा

आदमी बेमौत है मरने लगा

दुश्मनों से दुश्मनी तो दरकिनार

दोस्तों से दुश्मनी करने लगा

आदमी को देखकर अब डर रहा है आदमी

आदमी को लूटकर घर भर रहा है आदमी

मरता है आदमी और मर रहा है आदमी

ये समझ आता नहीं क्या कर रहा है आदमी

By: Shivji Verma

BT 1st Year

Aadami

जिन्दगी एक सफर

एक सुहाने सफर जैसी ये जिन्दगी,

हर घड़ी हर पहर कैसी ये जिन्दगी ॥

थोड़ी ख्वाहिश यहाँ, फरमाइश यहाँ,

खुद कि ही आज है आजमाइश यहाँ ॥

कुछ है वादे यहाँ, कुछ यादें यहाँ,

कुछ है अरमां यहाँ, कुछ इरादे यहाँ ॥

खिलखिलाती हवा, गुनगुनाती लहर,

चाहे साँझ, सवेरे या हो दोपहर ॥

ये जो चाँद और सूरज सजे है यहाँ,

ये भी करते बड़ी साजिश है यहाँ ॥

अरे खुशियाँ तो आप सबकी नज़र में हैं, By: Ayush Kumar

हम भले ही सफर में हैं...

CSE 1st Year

Depression

Depression, when we hear this word, the first thing that comes to our mind is sadness, and then comes disappointment. Well, if we go deep in our thoughts, we will find, that what causes depression in the first place is disappointment.

This disappointment makes us feel sad and depressed. For example - if someone breaks your trust, you will feel disappointed and it may lead to sadness and then depression.

Now let me ask you something, who is responsible for your sadness? That person or you yourself? Before you start thinking anything else, let me clarify, you will be sad because someone broke your trust, then you will be sad because you trusted that person, and then you will be sad because you were already sad. But what if you don't over think about that? Then, you wouldn't be sad and depressed.

See, what I am trying to tell you is that overthinking causes depression. So, the solution is to think about our cause of sadness, but not overthinking about it.

So, I just want you to suggest not to expect anything from anyone, this is how there are very limited chance to get depressed.

By: Bhanu Bharadwaj

CH 1st Year

What is Hacking?

Hacking is identifying weakness in computer systems or networks to exploit its weaknesses to gain access.

Who is a Hacker?

A Hacker is a person who finds and exploits the weakness in computer systems and/or networks to gain access. Hackers are usually skilled computer programmers with knowledge of computer security.

Types of Hackers

1. Ethical Hacker (White hat): A hacker who gains access to systems with a view to fix the identified weaknesses. They may also perform penetration testing and vulnerability assessments.
2. Cracker (Black hat): A hacker who gains unauthorized access to computer systems for personal gain. The intent is usually to steal corporate data, violate privacy rights, transfer funds from bank accounts etc.

What is ethical hacking?

Ethical hacking is identifying weakness in computer systems and/or computer networks and coming with counter measures that protect the weaknesses.

How to start hacking?

1. Learn UNIX/LINUX
2. Start Coding in C language
3. Code in more than one Programming Language
4. Learn Networking Concepts
5. Learn More Than One Operating Systems
6. Learn Cryptography
7. Never stop learning

By: Anant Vaish

CSE 1st Year

Teamwork

The word "Teamwork" is used so casually these days that its real meaning is losing its relevance day by day.

It has been rightly quoted by Michael Jordan "Talent wins Games, but Teamwork Wins Championships". Teamwork make the DreamWorks. A Team is a group of people with various complementary skills working together towards a common vision. There are tasks impossible to do individually but can be easily accomplished by working in a team. A Team where all the members happily work together implies that each one is aware of the strengths and drawbacks of the one other. A team operates efficiently only when its members can freely communicate with each other. This can be achieved through the active involvement of inmates of a company or an organisation so that it can achieve its goal as fast as it can. Each individual may not be perfect but the idea is to have their backs and complement their strengths. A team is as effective as its leader. A leader is one who knows the way, goes the way and finally shows the way. Proper planning is always an investment. This is true even if the vision is apparent. The best way to conclude this is by quoting "No one can whistle a Symphony, it takes a whole orchestra to play it".



By: Swati Kumari

BT 1st Year

पंख टूटे हैं तो क्या
इरादा मेरा मजबूत है
मुझे परख नहीं तो क्या
मन मेरा अभिभूत है
हूँ पड़ी नीड़ में तो क्या
गगन छू नहीं सकती झूठ है
रूठे जग सारा तो क्या
ताने मारने की उनको छूट है
चोटिल दिल मेरा तो क्या
बांधी खुदा से प्यार की सूत है
आँख से ओझल मंज़िल तो क्या
पाऊँगी लक्ष्य मेरा निश्चय अटूट है।



By Akshita Singh

BT 1st Year

Scientists create Artificial Intelligence agents to decode cause of religious conflict

The researchers combined some AI models (mimicking people) that have had positive experiences with people from other faiths, and others that have had negative or neutral encounters. Using Artificial Intelligence, researchers at Oxford University have created psychologically realistic models of humans to test what causes religious conflict. For the study, the researchers did not explicitly simulate violence, but instead focused on the conditions that enabled two specific periods of xenophobic social anxiety, that then escalated to extreme physical violence. The researchers drew on the Northern Ireland Troubles spanning three decades from 1968 to 1998 and the 2002 Gujarat riots of India. Most people are generally familiar with AI that uses Machine Learning to automate human tasks like classifying something, such as tweets to be positive or negative etc., said one of the study authors Justin Lane from the University of Oxford.

"But our study uses something called multi-agent AI to create a psychologically realistic model of a human, for example -- how do they think, and particularly how do we identify with groups? Why would someone identify as Christian, Jewish or Muslim etc. Essentially how do our personal beliefs align with how a group defines itself?"

To create these psychologically realistic AI agents, the team used theories in cognitive psychology to mimic how a human being would naturally think and process information, to show how an individual's beliefs match up with a group situation.

They did this by looking at how humans process information against their own personal experiences. The researchers combined some AI models (mimicking people) that have had positive experiences with people from other faiths, and others that have had negative or neutral encounters.

They did this to study the escalation and de-escalation of violence over time, and how it can, or cannot be managed. To represent everyday society and how people of different faiths interact in the real world, they created a simulated environment and populated it with hundreds or thousands (or millions), of the human model agents.

The only difference being that these 'people' all have slightly different variables - age, ethnicity etc. The findings revealed that the most common conditions that enable long periods of mutually escalating xenophobic tension

By: Vivek Chauhan

CSE 1st Year

News on Quantum Computer

There's now proof that quantum computer can outperform classical machines.

The huge amount of quantum computing is real. But to fully realize the promise of quantum computing, it'll still take a few years of research and scientific breakthroughs. Today, we got mathematical proof that there are real calculations that quantum computer will definitely be able to perform faster than any classical computer.

What we have today are quantum computers with a very limited number of qubits and short coherence time. Those limitations put a damper on the amount of computation you can perform on those machines, but they still allow for some practical work. Unsurprisingly, researchers are very interested in seeing what they can do with the current set of available machines. Because they have such short coherence time before the system becomes chaotic and useless for any computations, you can only perform a relatively small number of operations on them. In quantum computing, terms like "depth," and today's systems are considered shallow.

Science published a paper "Quantum advantage with shallow circuits" by Sergey Bravyi of IBM Research, David Gosset of University of Waterloo's Institute for Quantum Computing and Robert König of the Institute for Advanced Study and Zentrum Mathematics, Technische Universität München. In this paper, the researchers prove that a quantum computer with a fixed circuit depth is able to outperform a classical computer that's tackling the same problems because the classical computer will require the circuit depth to grow large, while it can stay constant for the quantum computer.

The question the researchers here asked was if constant depth quantum circuits can solve a computational problem that constant depth classical circuits cannot? The problem they decide to look at is a variation on the well-known Bernstein-Vazirani problem (well known among quantum computing works). Researchers show that even a shallow quantum computer can easily outperform a classical computer in solving problems.

By: Vivek Chauhan

CSE 1st Year

TECH NEWS

- Samsung to make at least 1 million foldable phones in 2019
- British companies warned against implanting NFC (Near-field communication) chips in their staff
- Twitter CEO Jack Dorsey said the social network is taking "multi-variable" steps, including the use of AI tools, to curb fake news ahead of the 2019 general elections in India.
- The Upcoming Android Q 'multi-resume' feature will allow two apps to work simultaneously
- ISRO calls for global proposals to carry experiments on Venus mission
- NASA Scientists will convert data from Mars sunrise to musical piece.
- Windows 10 spring 2019 update to separate Cortana from Windows search
- Alibaba sets Singles' Day record with \$30 billion in sales
- Goodbye humans, China gets a virtual TV news anchor
- Instagram is testing Hindi language support for India.
- Scientists have developed a smartphone app that can identify potentially fatal heart attacks with near accuracy of medical ECG, and may prove to be a valuable tool to save lives
- Samsung's future TVs won't require a remote controller but a human brain to operate.
- IIT-Jodhpur Team Produces 'Future Fuel' Using Sunlight and Water.
- As the country battles air pollution crisis and rising fuel prices, a team of researchers at the Indian Institute of Technology in Jodhpur have developed the 'fuel of the future' that uses sunlight and water to produce energy, The Times of India reported.
- The chemistry department has reportedly found a way to break oxygen and hydrogen molecules in water by using a catalyst called Lanthanide, TOI reported. The process involved in harnessing the fuel in a natural way is completely opposite to photosynthesis, the daily reported. The fuel has the potential to achieve India's dream of reducing volume of its oil imports by 30 per cent and also reduce global warming, the team led by Professor Rakesh Kumar Sharma told TOI. Unlike the hydrogen fuel which costs about Rs 150-200 per liter i.e., around thrice the price of petrol in India, this 'zero emission' fuel has been produced at a very low cost, reported the publication.
- News in field of biotechnology

1. Drugs from dirt

A new way to combat tuberculosis was found by scientists while they searched in the soil on Nov. 1, 2018. Researchers have found an antibiotics capable of treating strains of tuberculosis that do not respond to existing therapies.

2. Synthetic microorganisms allow scientists to study ancient evolutionary mysteries

Scientists have created microorganisms that may recapitulate key features of organisms thought to have lived billions of years ago, allowing them to explore questions about how life evolved from inanimate molecules to single-celled organisms to the complex, multicellular lifeforms we see today.

By : Harsh Sharma (EL 1st Year)



दिनांक 14/09/2018 को हिंदी दिवस के उपलक्ष में कॉलेज प्रांगण में एक कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसके अंतर्गत कई छात्र-छात्राओं ने विभिन्न प्रकार की प्रस्तुति दी जैसे कि काव्यपाठ, भाषण, इत्यादि। इस कार्यक्रम के द्वारा सभी ने हिंदी भाषा के प्रति अपने-अपने तार्किक विचार प्रस्तुत किए।

साथ ही हिंदी के गौरव को बनाये रखे पर बाल देते हुए सभी शिक्षको ने अपने विचारों से छात्रों के हृदय को प्रभावित किया तथा उनका मार्गदर्शन कर उन्हें प्रोत्साहित किया।

जाणता राजा महानाट्य

दिनांक 20/10/2018 से 25/10/2018 के बीच कानपुर नगर में आयोजित हुआ एक ऐसा नाट्य कार्यक्रम जिसने माननीय राज्यपाल श्री रामनाइक जी से लेकर शहर के हर एक व्यक्ति को अपनी ओर आकर्षित किया था छत्रपति वीर शिवाजी महाराज की जीवन गाथा पर आधारित था ये नाट्य। इस गौरवमयी महानाट्य का मंचन उत्तरप्रदेश में प्रथम बार हमारे कानपुर नगर में हुआ। इस महानाट्य में सजीव घोड़े, हाथी, ऊँट एवं अस्त्र-शास्त्रों का प्रयोग किया गया था। विश्वप्रसिद्ध 150+ कलाकारों द्वारा इस महानाट्य का मंचन चंद्रशेखर आज़ाद विश्वविद्यालय में हुआ। हमारे संस्थान से कई छात्र-छात्राएँ इस नाट्य को देखने गए और हमको सभी ने इस नाट्य का बहुत आनंद लिया और अंत में स्वयं को कृतार्थ पाया।

Aarohan 2k18



Miss and Mister Fresher 2018

Swati Kumari & Anurag Pandey



It's always a great moment for any student who decide to join a college for his graduation, and just to make his graduation's path more beautiful, almost every college organizes a party to wish them all, called "Fresher's Party". In AITH, we call it "Aarohan". It takes almost one week for all seniors to make all arrangements for our grand Fresher's Party.

Before this event we all were not aware with our seniors but this event gives a very beautiful opportunity to make good friendship with them. During this event we get to know so many things about our college, like its unwritten history, teachers, good and bad, and what not. Just to make this event friendlier, 3rd year seniors has arranged so many event like play, song, wall painting, rangoli, standup comedy, dance and what not.

All these events were coordinated in a very impressive way by the seniors of 2nd year. The 1st year student was there just to have their own share of fun, who don't feel like having any responsibility type thing, they just participated in all possible event and gives their best.

At the end of event Mr. Fresher and Miss Fresher also get elected, which being the reason of attention of this entire event. Overall, this whole event gives us so much fun, and becomes in one of the unforgettable memory. The program concluded leaving behind sweet memories that will be cherished life long.



INDUCTION PROGRAM

From the sight of a student...

It was like that dessert which people offer someone after dinner. All of us were so excited for first day of college, and on first day the Coordinator of Induction Program Dr. D.P Singh gave us that extra sweet as our Induction Program. It lasted for whole three weeks. Before this event, we were like those students who possess to have so much talent but whenever it comes to show that talent and our skills ,then we get failed. The main motto of Induction Program was to increase that professionalism which is somewhere missing. In the first three days of our Induction Program all of us were divided into groups and mentors were also assigned to guide us. In three weeks we were introduced to almost everything which we call professionalism. There were sports, cultural activities, professional communication, informative seminars and then that human values lectures which were creating a sense of responsibility towards society and we were indulged more and more with every passing day. It helped us a lot to become a Renaissance Man. In sports, we enjoyed sports like football, Volleyball, Badminton, Athletics and few indoor games like Table Tennis and Chess. If we discuss cultural then, Being the most attractive field for most of the youths, it consists programs like singing, dancing, play and what not which we call cultural. The main attraction of this Induction Program was the seminar of Prof. D.P Mishra from IIT Kanpur who presented a seminar on Carrier Guidance and Personality Development, Seminar on Stress Management by Dr. Sahil Garg from IIT Kanpur and Dr. Rubi Chawla's seminar on Skill and Attitude also being the reason, why this Induction Program still has its value. The event like Yoga, Professional communication, Speech presentation, Power Point Presentation being the main reason of our skill development.



If we conclude, Induction Program was just like that spring month which comes once in a year still leaves that deep impact on our life's which gets almost impossible to forget, those memories



will never
fade and

Teacher's Day

Yet another cheerful day followed by a lot of amusement arrived. Students gathered in the community hall with full enthusiasm to celebrate "TEACHER'S DAY".

Education is the most powerful weapon which you can use to change your future and the person who sharpens the tool is a Teacher. The birthday of Dr Sarvapalli Radhakrishnan is celebrated as teacher's day. Our college "Dr Ambedkar Institute of Technology for Handicapped" also observed the celebration. Filled with joy the programme started with highly energetic and enthusiastic dance performance by the girls. A song filled with utter joy was sung by the students which was enough to raise the expectations. The event was even more glorified when respected D.K. Sachan sir fully changed the environment with his melodious voice. The director ma'am was further called upon the stage to motivate the fellow students. Our seniors also show their respect by distributing their respecting gifts among all our teachers. The audience was again mesmerised by the exceptionally, extraordinary solo dance performance by our fellow friends. The audience witnessed the final dance performance which was on a highly terrific and phenomenal note. The event was finally wrapped up by providing refreshments to all. Overall this day was amazing and we all enjoys so much. I would finally conclude by quoting "A good teacher is like a candle; it consumes itself to light way for others".



आरोग्य वाटिका

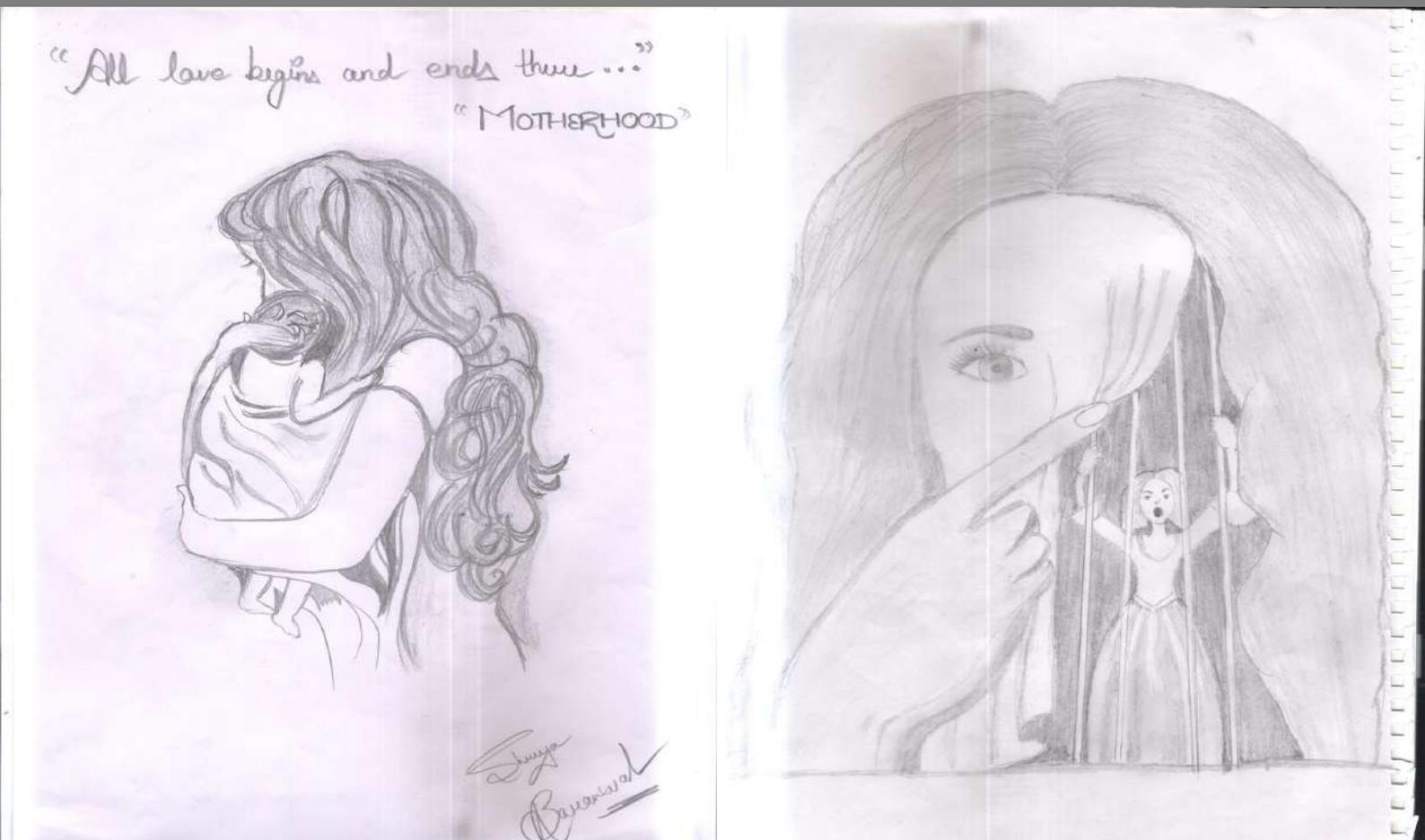
स्वस्थ व्यक्ति के द्वारा ही राष्ट्र समृद्ध एवम् गौरवशाली बन सकता है इसी चिंतन को आधारित करते हुए धन्वतरि जयंती के पावन दिवस पर दिनांक 2 नवम्बर 2002 को कोच्चि में आरोग्य भारती की स्थापना हुई। भारत गांवों में बसता है किन्तु ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य की स्थिति दयनीय है, आज इक्कीसवीं सदी में भी लोग ज्वर, अतिसार जैसी सहज साध्य व्याधियों से तथा आर्थिक विषमता, अंधविश्वास एवम् अशिक्षा के कारण अकाल ही मौत के मुंह में समाते जा रहे हैं। हर व्यक्ति एवम् समाज इतना जागरूक, शिक्षित एवम् साधन सम्पन्न हो कि वह स्वयं इन समस्याओं का समाधान कर सके यही आरोग्य भारती का उद्देश्य है। औषधियों पौधों के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए आरोग्य भारती ने पूरे देश में जगह - जगह आरोग्य वाटिका की स्थापना करी है। इस पहल के अन्तर्गत पूरे कानपुर में एकमात्र हमारे संस्थान को अपने प्रांगण में आरोग्य वाटिका का निर्माण करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। दिनांक 2 सितंबर 2018 को राष्ट्रीय संगठन सचिव आरोग्य भारती डॉ अशोक वाष्ण्य एवं संस्थान की यसश्वी निदेशिका प्रो. रचना अस्थाना के कर कमलों द्वारा आरोग्य वाटिका का अनावरण औषधीय पौधों के रोपण के साथ किया गया। इस गरिमामयी मौके पर मुख्य कुलनुसाशक डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, विभागाध्यक्ष श्री मनीष सिंह राजपूत एवं श्रीनाथ द्विवेदी आदि उपस्थित रहे। पौधारोपण में छात्र - छात्राओं ने भी बहुमूल्य योगदान दिया और सतावर, अजवायन, एलोवेरा, हींग, पत्थरचट्टा, अर्जुन वृक्ष, तुलसी एवम् हरसिंगार जैसे जीवनदायनीय औषधीय पौधे लगाने का कार्य सम्पन्न किया।



Sketch



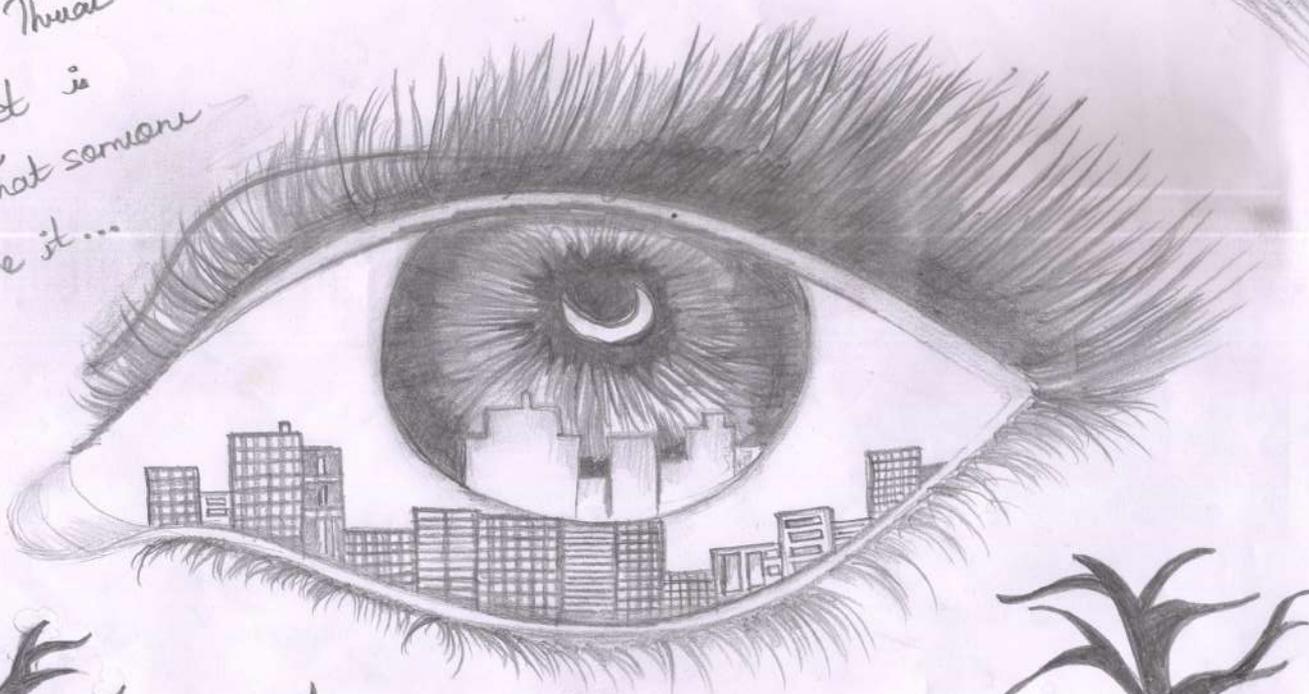
By: Manish Yadav CSE 1st Year



By: Shreya Baranwal BT 1st Year

BY: Kashish BT 1st Year

The Greatest Threat
to our Planet is
the Belief That someone
Else will save it...



By: Shreya Baranwal BT 1st Year

CHILDREN MEANT TO LEARN
NOT TO EARN.



STOP CHILD LABOUR



By: Kashish BT 1st Year

By: Indra Sagar CS 1st Year (Diploma wing)

The Mentor Team



Tushar Sharma IT 3rd Yr.



Shivendra Verma IT 3rd Year



Satvik Tripathi IT 3rd Year



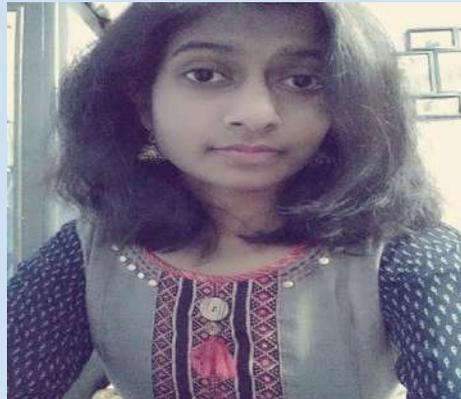
Shivansh Dubey IT 3rd Year



Ankit Awasthi IT 3rd Year



Aditya Sahi IT 2nd Year



Ambika Sakya CH 2nd Year



Abhishek Verma IT 2nd Year

The Editorial Team



Anurag Pandey IT 1st Year



Komal Gupta BT 1st Year



Vivek Chauhan CSE 1st Year



Mansi Gupta BT 1st Year



Adbhit Kumar IT 1st Year



Ansita Pandey EL 1st Year



Aman Mishra CSE 1st Year



Priyanka Yadav IT 1st Year



Divyanshu Singh IT 1st Year



Akshita Singh BT 1st Year



Devanjana Chandra BT 1st Year



Saumya Singh IT 1st Year



Utkarsh Srivastava IT 1st Year



Simran Gupta CSE 1st Year



Ayush Kumar CSE 1st Year



Anant Vaish CSE 1st Year



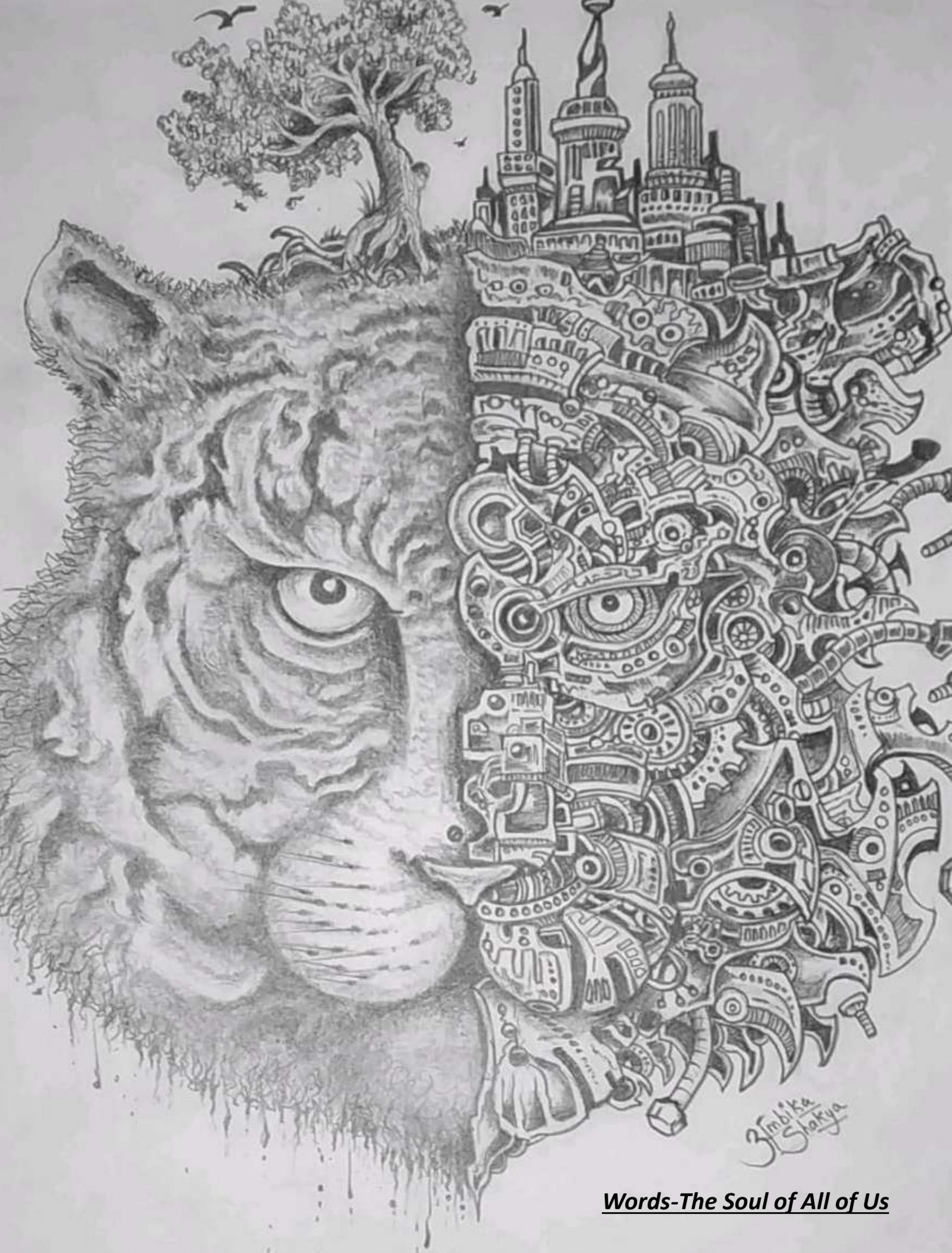
Akash Gupta EL 1st Year



Deepanjali Singh CH 1st Year



Ramprith Thakur CH 1st Year



Words-The Soul of All of Us

Dr. Ambedkar Institute of Technology For Handicapped

Kanpur, aith.ac.in, Ph-(0512)2583221